# अमृत-2 में 8000 करोड़ रुपये से बदलेगी शहरों की सूरत

■ शैलेंद्र श्रीवास्तव

**788635** पेयजल कनेक्शन दिए गए

**1102665** सीवर के कनेक्शन दिए गए

**लखनऊ।** राज्य सरकार अमृत-2 में 8000 करोड़ रुपये खर्च कर शहरों की सूरत बदलने जा रही है। इन पैसों से लोगों को पीने के लिए भरपूर पानी, हर घर सीवर का कनेक्शन देने के साथ ही बच्चों के खेलने के लिए पार्क की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए कुल 105 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है।

**छह करोड़ आबादी को फायदा** :शहरी क्षेत्रों में कुल जनसंख्या की 24 फीसदी आबादी शहरों में रहती है। इसके हिसाब से यह करीब छह करोड़ आसपास है। नगर विकास विभाग इस छह करोड़ की आबादी को ध्यान में रखकर ही अमृत-2 के लिए प्रस्ताव तैयार किया है, जिससे उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाएं दी जा सकें। शहरी क्षेत्र में अभी भी ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां पानी और सीवर की बड़ी समस्या है। प्रदेश में निकायों की संख्या बढ़ने के साथ उसका दायरा भी बढ़ाया गया है। नई कालोनियां जोड़ी गई हैं। नगर विकास विभाग ने इसके हिसाब से विकास का खाका खींचा है, जिससे प्रत्येक शहरी लोगों को जरूरी सुविधाएं मिल सके।

**क्या होंगे काम** :अमृत-2 में तीन प्रमुख योजनाओं को शामिल किया गया है। पेयजल, सीवर और पार्कों का सौंदर्यीकरण। पेयजल के लिए नए क्षेत्रों में पाइप लाइन डलवाने के साथ घरों में कनेक्शन देने का काम किया जाएगा। इसी तरह नए और पुराने क्षेत्रों में जरूरत के आधार पर सीवर लाइन डलवाने के साथ ही कनेक्शन देने का काम किया जाएगा।

## अमृत पहले चरण में हुए काम

| | |
|---|---|
| पेयजल की परियोजनाएं | 124 |
| सीवरेज की परियोजनाएं | 60 |
| पार्कों का सौंदर्यीकरण | 260 |
| शहरों जहां मास्टर प्लान बन रहा | 60 |

## लक्ष्य रखा गया

| वर्ष | काम | कुल संख्या |
|---|---|---|
| 2022 | पानी कनेक्शन | 27.69 लाख |
| 2022 | सीवर कनेक्शन | 15.54 लाख |
| 2023 | पानी कनेक्शन | 29.16 लाख |
| 2023 | सीवर कनेक्शन | 19.24 लाख |

## क्या देंगे सुविधाएं

| वर्ष | सुविधा | आबादी |
|---|---|---|
| 2024 | पेयजल | 50 फीसदी |
| 2024 | सीवर | 32 फीसदी |
| 2027 | पेयजल | 100 फीसदी |
| 2027 | सीवर व सेप्टेज | 100 फीसदी |